The Speaker made reference to the tragic incident of the terrorist attack on Parliament House on 13th December, 2001

माननीय अध्यक्ष**:** माननीय सदस्यगण, आज हम 13 दिसंबर, 2001 की उस दु:खद घटना का स्मरण करते हैं, जब कुछ आतंकवादियों ने हमारे संसद भवन पर हमला किया था तथा हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आघात करने का प्रयास किया था।

आज के दिन हम उन सशस्त्र सुरक्षा बलों की बहादुरी को नमन करते हैं, जिन्होंने हमारे लोकतंत्र के प्रतीक संसद भवन पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले को विफल कर दिया था।

आज हम संसद सुरक्षा सेवा, दिल्ली पुलिस सेवा और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के उन आठ सुरक्षाकर्मियों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान का भी स्मरण करते हैं, जिन्होंने इस हमले को विफल करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

इस आतंकवादी हमले में एक सी.पी.डब्ल्यू.डी. कर्मी भी शहीद हुए थे। यह सभा उन अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। यह सभा उन शहीदों के परिवारों के प्रति सहानुभूति के साथ दृढ़तापूर्वक खड़ी है।

इस अवसर पर हम आतंकवाद का डटकर सामना करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं तथा अपने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा हेतु लिए गए अपने शपथ की पुन: पुष्टि करते हैं।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन रहेगी।

11.01hrs

The Members then stood in silence for a short while.

माननीय अध्यक्ष **:** ओम शांति: शांति: शांति: ।